रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– Kanpur City – 67/2015–2017

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014

वर्ष –40 ● अंक –9 ● कानपुर 1 से 15 मई 2018 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य – ₹ 100

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

का 44 वाँ स्थ'ापना दिवस समारोह उल्लास पूर्वक सम्पन्न

नई दिल्ली– 21 अप्रैल आज यहां स्थानीय ग़ालिब इन्सटीट्यूट ऐवाने ग़ालिब ऑडिटोरियम के सेमिनार हॉल में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का 44 वाँ स्थापना दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ, समारोह का शुभारम्भ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउन्ट सीज़र मैटी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ, इस अवसर पर डा0 बी0बी0 जैना भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पूर्व अधीक्षक मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुये मंच की शोभा सर्वश्री डा0 वी0 कुमार, डा0 बी0बी0 जैना, डा0 डी0के पाल, डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई व डा0 दीपक सिंहा ने सुशोभित की तथा समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी द्वारा की गयी।

माल्यार्पण के पश्चात **सबका साथ – सबका विकास** के आधार पर बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट/इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट/स्टडी सेन्टर्स/गाईडेन्स सेन्टर्स एवं परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्य/संचालक/समन्वयक / प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में दिल्ली के डा0 देवेन्द्र कुमार के बाद इटावा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर इटावा के संचालक डा0 मो0 एखलाक अहमाद, कुशीनगर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के संचालक डा0 आदिल एम0 खान, धनपत लाल मेमोरियल मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालक डा0 प्रिंस कुमार श्रीवास्तव (सभी स्टडी सेन्टर्स) जालौन इलेक्ट्रो होम्योपैथिकमेडिकल इन्सटीट्यूट जालौन के प्रतिनिधि श्री ललित पटेल, अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखनऊ के प्रधानाचार्य डा0 आर0 के0 कपूर, फ़तेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट फ़तेहपुर के प्रबन्धक डा0 अफ़ज़ाल अहमद काज़मी, इन्दिरा गाँधी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट प्रतापगढ़ के प्रधानाचार्य डा0 एम0 ए0 इदरीसी, शाहगंज इलेक्ट्रो

शेष अगले पेजों पर

मंच पर बाये से दाये क्रमशः डा0 वी0 कुमार, डा0 बी0बी0 जेना, डा0 एम0एच0 इदरीसी व डा0 डी0 के0 पाल –छाया गज़ट

44 वाँ स्थापना दिवस

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का 44 वाँ स्थापना दिवस समारोह नई दिल्ली में बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ, इस अवसर पर *B.E.M.S.* डिग्री प्रमाण पत्र पर *IDC* की प्रतिक्रया पर चिन्ता व्यक्त की गयी, इससे पूर्व माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा भी 18 नवम्बर, 1998 को एक जनहित याचिका संख्या 4015/96 में केन्द्र सहित सभी राज्य सरकारों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की समस्या के समाधान के लिए कानून बनाने के लिए निर्देश दिये गये थे, इसमें यह भी निर्देशित किया गया था कि *Respondents 10 to 16 and the like institutes shall not award any degree for the courses conducted by them.* जबकि सरकार द्वारा कानून बनाने में कोई रूचि नहीं दिखायी गयी, एक अन्य वाद में केन्द्र सरकार द्वारा अपील की गयी थी जिसमें सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जनहित याचिका में दिये गये आदेश को गम्भीरता से लिया, केन्द्र सरकार ने माननीय सुप्रीमकोर्ट के निर्देश का पालन करने हेतु एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन भी किया जिसमें माननीय न्यायालय के कानून बनाने के निर्देशों की अनदेखी करते हुए मान्यता हेतु लाम्बित प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए समितिं की संतुतियों को स्वीकार करते हुए 25 नवम्बर, 2003 को एक आदेश जारी किया जिसमें राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया कि गैर मान्यता प्राप्त पद्धतियों को बैचलर व मास्टर डिग्री/डिपलोमा देने से रोका जाये तथा डा0 शब्द का प्रयोग केवल मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों द्वारा ही किया जाये, सरकार के इस आदेश का व्यापक स्तर पर प्रचार किया जाये इस आदेश का सम्मान करते हुए बोर्ड ने अपने डिपलोमा पाठ्यक्रमों को सार्टिफ़िकेट में परिवर्तित तथा चिकित्सकों को निर्देशित किया कि वह *Dr.* शब्द के बजाय *E.H.Dr.* लिखें। इसी समय माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अवमाननावाद संख्या 820/2002 राजेश कुमार श्रीवास्तव बनाम श्री ए0 पी0 वर्मा मुख्य सचिव, उ0प्र0 व अन्य लाम्बित था जिसमें चिकित्सा संस्थानों एवं चिकित्सकों को अनिवार्य रूप से शासन/मुख्य चिकित्साधिकारी के यहां पंजीयन कराना था।

प्रदेश में लगभग सभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संस्थानों में उहापोह की स्थिति पैदा हो गयी थी जिसके कारण बिना सोचे समझे दर्जनों की संख्या में उच्च न्यायालय में याचिकायें योजित की गयीं जिसमें बोर्ड की याचिका को छोड़कर शेष सभी याचिकायें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा ख़ारिज कर दी गयीं जिसमें एक केस ऐसा रिपोर्टेड हुआ जिसका दुष्प्रभाव अन्य राज्यों में भी पड़ा इस तरह उत्तर प्रदेश की समस्या पूरे देश की समस्या बन गयी। केन्द्र के इस 25 नवम्बर, 2003 के आदेश के सन्दर्भ में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भारत सरकार को निर्देश दिये गये जिसके परिणाम स्वरूप 21 जून, 2011 के आदेश का उदय हुआ जो आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास की रीढ़ है।

बोर्ड द्वारा एक लम्बे अन्तराल के बाद 27 अप्रैल, 2014 को उ0प्र0 की राजधानी लखनऊ के राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग में अपना 40 वाँ स्थापना दिवस समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया गया इस अवसर पर एक प्रास्प्रेक्टस का विमोचन भी किया गया काफ़ी समय बाद देश के वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथ एवं संस्था प्रमुख उपस्थित हुए इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डा0 अनीस अन्सारी कुलपति ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ उर्दू अरबी फ़ारसी विश्वविद्यालय लखनऊ की गौरवमयी उपस्थिति रही, इस अवसर पर संकल्प लिये गये जिसे घोषणापत्र के रूप में प्रकाशित भी किया गया था तथा यह भी निश्चय किया गया कि हर दो वर्ष में स्थापना दिवस समारोह के रूप में मनाया जाये।

गत स्थापना दिवस समारोह 25 अप्रैल, 2016 को गंगाप्रसाद मेमोरियल हॉल अमीनाबाद, लखनऊ में आयोजित किया गया जिसमें उ0प्र0 सरकार के मंत्री माननीय राम आसरे कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए इस अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सम्बद्ध संस्थानों आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट रायबरेली, मां सरजू देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट, लखीमपुर तथा चाँद पार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट आज़मगढ़ को सम्मानित किया गया, इसी अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जागरूकता अभियान के नायक श्री प्रमोद शंकर बाजपेयी जी को भी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मनीषी अंलकरण से विभूषित किया गया था, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बोर्ड सतत् प्रयासरत रहता है बोर्ड ने *G. E. H. S.* तथा *P.G.E.H.* के दो नये पाठ्यक्रमों का लोकार्पण अपने 43 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोर्ड के कार्यालयों सहित सभी संस्थानों/अध्ययनकेन्द्रों में किया। बोर्ड एक निगमित निकाय है जिसका प्रबन्ध एक प्रबन्ध कमेटी द्वारा किया जाता है जिसमें 4 सदस्यों का चयन चिकित्सा क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों से , 2 सदस्यों का चयन बोर्ड द्वारा सम्बद्ध सस्थानों के शिक्षकों से तथा 3 सदस्यों का चयन बोर्ड द्वारा पंजीकृत चिकित्सकों से किया जाता है, प्रबन्ध कमेटी के अधीन शिक्षा समिति, परीक्षा समिति तथा पंजीयन समिति नियमित रूप से कार्य करती हैं।

भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए 28 फरवरी, 2017 को एक नोटिस जारी की गयी जिसमें 7 बिन्दुओं पर जानकारी चाही गयी थी जिसमें पाठ्यक्रम को प्रमुखतः दी गयी, बोर्ड ने सरकार द्वारा जारी नोटिस पर कोई कार्यवाही न करने का निश्चय किया क्योंकि भारत सरकार ने 21 जून, 2011 के आदेश में चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान की स्थिति स्पष्ट कर दी है तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा भी बोर्ड के पक्ष में 4 जनवरी, 2012 का आदेश है, जिसके अनुपालन हेतु महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थय सेवायें उ0प्र0 ने अपने आदेश दिनांक 2–9–2013 एवं 14–3– 2016 द्वारा समस्त अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उ0प्र0 तथा समस्त मुख्यचिकित्साधिकारी उ0प्र0 को अनुपालन हेतु निर्देशित किया है।

भारत सरकार द्वारा दिनांक 19 मार्च, 2018 को जारी 09–01–2018 की बैठक की कार्यवाही जो मान्यता के प्रपोज़लों के निष्कर्ष में जारी की गयी है, से संकेत मिलता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को वैज्ञानिक आधार पर, कार्य के आकड़ों की जानकारी अनिवार्य हो गयी है, इस हेतु बोर्ड द्वारा एक *Clinic & Camps* कमेटी का भी गठन किया गया है, यह कमेटी सरकार द्वारा वांछित वैज्ञानिक आधार पर आकड़ों को संकलित एवं सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

Interdepartmental Committee ने ***B.E.M.S.*** कोर्स के संचालन एवं डिग्री प्रमाणपत्र पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज की है जबकि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने 18 नवम्बर, 1998 को ही डिग्री न देने के निर्देश दिये थे। डिग्री जारी करना माननीय उच्च न्यायालय की अवमानना के साथ–साथ भारत सरकार के आदेश दिनांक 25–11–2003 का भी उल्लंघन है।

44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर परम्परानुसार संस्थानों का सम्मान किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले सस्थानों को पुरस्कृत भी किया गया।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्यो ..... प्रथम पेज से आगे

होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट शाहगंज, जौनपुर के प्रधानाचार्य डा0 एस0 एन0 राय, माँ सरजु देवी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट लखीमपुर के प्रधानाचार्य डा0 आर0 के0 शर्मा, भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट जौनपुर के प्रधानाचार्य डा0 प्रमोद कुमार मौर्या, चाँद पार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट आज़मगढ़ के प्रधानाचार्य डा0 मुशताक़ अहमद तथा आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट रायबरेली के प्रधानाचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा (सभी संस्थान) को सम्मानित किया गया।

सम्मान कार्यक्रम की श्रंखला में मुख्य अतिथि डा0 बी0बी0 जैना, डा0 वी0 कुमार हैदराबाद (तेलंगाना) से पधारे डा0 अलताफ़ अहमद, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक जगत में एक पकड़ और जाना माना नाम डा0 एन0 एल0 सिन्हा को कौन नहीं जानता उनके पौत्र एवं डा0 वी0 बी0 सिन्हा के पुत्र डा0 दीपक सिन्हा, कानपुर के डा0 वाई0 आई0 खान, मेरठ से आये हुये डा0 डी0 के0 पाल, नई दिल्ली के डा0 एम0 आई0 खान, इहमाई के महासचिव डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई के नाम प्रमुख हैं।

44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंच से सम्बोधित करते हुये मेरठ के डा0 डी0 के0 पाल

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुरस्कृत

उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थान A.E.H. Medical Institute Raibarelly को प्रथम, C.P.E.H. Medical Institute Azamgarh को द्वितीय व B.M.E.H. Institute Jaunpur को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सफ़ल संचालनडा0 प्रमोद शंकर बाजपेई द्वारा किया गया एवं धन्यवसद डा0 इदरीसी ने दिया।

44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने विचार देते डा0 दीपक सिन्हा

44 वें सीपना दिवस के अवसर पर डा0 प्रिंस श्रीवास्तव महाराजगंज को उत्कृष्ट कार्य हेतु विशेष पुरस्कार प्रदान करते हुये डा0 एम0एच0 इदरीसी, चेयरमैन– बी0ई0एच0एम0 यू0पी0 |छाया गज़ट

Dr. V. Kumar Addressing to Participants. Gphoto

44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर ऐवाने ग़ालिब ऑडिटोरियम नई दिल्ली में उपस्थित श्रोतागण

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के 44 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम की झलकियाँ

44 वे स्थापना दिवस कार्यक्रम मे अतिथि के रूप में मंच पर विसजमान डा0 वी0 वी0 जेन पूर्व अधीक्षक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार। छाया गज़ट

Dr. M. H. Idrisi Chairman Board of Electro Homoeopathic Medicine, Uttar Pradesh Addressing to participants.at Ghalib Institute New Delhi. Photo Gazette

डा0 वी0 कुमार को शॉल उढ़ाकर सम्मानित करते हुये डा0 एम0एच0 इदरीसी चेयरमैन– बोर्ड आफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मडिसिन, उत्तर प्रदेश छाया गज़ट

डा0 एम0एच0 इदरीसी चेयरमैन– बोर्ड आफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मडिसिन, उत्तर प्रदेश को शॉल उढ़ाते हुये इहमाई के महासचिव डा0 प्रमोद शंकर बाजपेई – छाया गज़ट

बोर्ड के 44 वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्रमशः 1– में डा0 देवेन्द्र कुमार दिल्ली, 2–में डा0 आदिल एम0 खान को सम्मान – पत्र देते हुये डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा एवं 3–में डा0 मो0 एखलाक़ खान को सम्मान – पत्र देते हुये रजिस्ट्रार बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 छाया गज़ट

44 वें स्थापना दिवस पर पुरस्कृत एवं सम्मानित प्राचार्यगण

ऊपर बाये से दायें : डा0 पी0एन0 कुशवाहा–प्राचार्य आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट–रायबरेली, डा0 मुशताक़ अहमद–प्राचार्य चाँद पार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट–आज़मगढ़ एवं डा0 पी0के0 मौर्या प्राचार्य भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट–जौनपुर अपने–अपने पुरस्कार और सम्मान पत्र मीडिया एवं उपस्थित जन समूह को दिखाते हुये। – छाया गज़ट

ऊपर डा0 आर0 के0 शर्मा लखीमपुर – नीचे डा0 एस0 एन0 राय डा0 मिथलेश कुमार मिश्राा से अपना सम्मान पत्र प्राप्त करते हुये छाया गज़ट

ऊपर Dr. Y.I.Khan को सम्मानित करते इहमाई के महासचिव नीचे डा0 एम0ए0 इदरीसी सम्मानित करते रट्रार

ऑडियन्सं से खचा–खच भरा हुआ ऐवानें ग़ालिब ऑडिटोरियम का सेमिनार हॉल
छाया गज़ट